



Shri Govind Guru University, Godhra
(Established Vide Gujarat Act No. 24/2015)

श्री गोविंद गुरु युनिवर्सिटी, गोधरा
(गुजरात ऐक्ट नं. २४/२०१५ द्वारा स्थापित)

नं:એસજીજીયુ/વહીવટ/૨૦૨૨/૫૨૪૨૦

તા.૧૬/૦૭/૨૦૨૨

પરિપત્ર- ૨૭૬૫

સંદર્ભ- માનનીય રાજ્યપાલશ્રી, ગાંધીનગર, ગુજરાતનો તા.૦૪/૦૭/૨૦૨૨નો પત્ર.

શ્રી ગોવિંદ ગુરુ યુનિવર્સિટી સંલગ્ન તમામ કોલેજો/પી.જી.કેન્દ્રોના આચાર્યશ્રી/ઇન્ચાર્જશ્રી અને કો-ઓર્ડિનેટરશ્રીઓને ઉપરોક્ત સંદર્ભ દર્શિત પત્ર અન્વયે જણાવવાનું કે, માનનીય રાજ્યપાલશ્રીએ ઝોબલ વોર્મિંગ અંગે ચિંતા વ્યક્ત કરેલ છે. જેના કારણે પ્રકૃતિ પર આધારિત માનવજીવન પર ધનિષ્ઠ અસર પડેલ છે. અને પ્રકૃતિના સંતુલનને નુકશાન થયેલ છે. જે ખુબજ ગંભીર બાબત હોવાથી માન.રાજ્યપાલશ્રી દ્વારા વર્ષાઋતુને ધ્યાનમાં લઈ વૃક્ષારોપણનો આગ્રહ રાખેલ છે. જે અન્વયે આપની કોલેજ/સંસ્થાના કેમ્પસમાં ૧૦૦ વૃક્ષોનું આરોપણ થાય અને એ વૃક્ષોની યોગ્ય માવજત થાય એવો આગ્રહ કરેલ છે. આરોપણ કરેલ વૃક્ષોનો રેકોર્ડ રાખી નિયમિત ધોરણે દર છ માસે આપે આરોપિત કરેલ વૃક્ષોનો રેકોર્ડ ઇ-મેઇલ આઈડી prisec-rajbhavan@gujarat.gov.in પર મોકલી આપવાના રહેશે. તથા કોલેજના વાર્ષિક મૂલ્યાંકનમાં વૃક્ષારોપણની પ્રવૃત્તિ સમ્મિલિત કરવા જણાવેલ છે. જે અંગે વિદિત થઈ આપની કક્ષાએથી યોગ્ય કાર્યવાહી કરવા વિનંતી.



કા.કુલસચિવ
શ્રી ગોવિંદ ગુરુ યુનિવર્સિટી,
ગોધરા.

બિડાણ- ઉપર મુજબ.

પ્રતિ,

- શ્રી ગોવિંદ ગુરુ યુનિવર્સિટી સંલગ્ન તમામ કોલેજો/પી.જી.કેન્દ્રોના આચાર્યશ્રી/ઇન્ચાર્જશ્રી અને કો-ઓર્ડિનેટરશ્રીઓ તરફ જાણ તથા જરૂરી કાર્યવાહી અર્થે.

Acharya Devvrat
Governor, Gujarat
Gandhinagar-382021



आचार्य देवव्रत
राज्यपाल, गुजरात
गांधीनगर-३८२०२१

11 4 JUL 2022

हम जानते हैं कि मानव जीवन का अस्तित्व प्रकृति पर आधारित है। हमने अपनी सुविधा के लिए प्रकृति का इतना ज्यादा दोहन किया है कि आज हम ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्या के रूप में प्रकृति के प्रकोप का सामना कर रहे हैं। मानव जीवन के कल्याण के लिए प्रकृति में संतुलन होना आवश्यक है। आज पूरा विश्व ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से त्रस्त है। ईश्वरीय व्यवस्था में सहयोग करना अर्थात् प्रकृति की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। प्रकृति ने हमें सब कुछ दिया है। आज समय है वृक्षारोपण करके प्रकृति के प्रति अपने कर्तव्य का पालन करके कृतज्ञता व्यक्त करने का।

वर्षाकाल वृक्षारोपण के लिए सबसे उचित समय है। ऐसे समय पर मेरा आग्रह है कि गुजरात प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों एवं संलग्न कॉलेजों के परिसर में 100 वृक्षों का आरोपण हो। केवल वृक्षारोपण ही नहीं, अपितु आरोपण किए गए 100 वृक्षों की योग्य देखभाल की जाए, ताकि सभी वृक्षों का विकास हो सके। अगर किसी कारणवश वृक्ष का विकास नहीं होता है तो उसकी जगह दूसरे वृक्ष का भी आरोपण किया जाए, ताकि वृक्षशतक कायम बना रहे। आरोपण किए गए सभी वृक्षों का संपूर्ण रिकॉर्ड रखा जाए, यह भी आवश्यक है। वृक्षारोपण अभियान पूर्ण होने की जानकारी एवं उसके बाद प्रत्येक छह महीने के अंतराल पर वृक्षों की स्थिति की जानकारी भी नियमित रूप से ई-मेल (prisec-rajbhavan@gujarat.gov.in) के माध्यम से राजभवन सचिवालय को भेजी जाए। इसके उपरांत, कॉलेजों के वार्षिक मूल्यांकन में भी वृक्षारोपण की प्रवृत्ति को सम्मिलित किया जाये।

हमारे धर्मग्रंथों में कहा गया है "दशपुत्रसमो द्रुमः" अर्थात् एक वृक्ष 10 पुत्रों के समान होता है। वर्तमान जीवन में प्रदूषण का स्तर अपनी सामान्य मात्रा से कई गुना अधिक बढ़ चुका है, इससे मुक्ति पाने का सबसे अच्छा तरीका यह होगा कि अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाएं, ताकि आने वाली पीढ़ी को हम एक स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण दे सकें।

मेरा आपसे आग्रह है कि समग्र मानवजाति के कल्याण के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करके वृक्षारोपण अभियान द्वारा पूरी ईमानदारी से हम अपना कर्तव्य निभाएंगे एवं दूसरों को भी इस पवित्र कार्य के लिए प्रेरित करेंगे।

धन्यवाद।

भवदीय,

(आचार्य देवव्रत)

Do Admin
Do Circular
16/7/22